

**उँहूँ/उँहूँक** अव्य. (देश.) अस्वीकार, इन्कार आदि अर्थ का सूचक शब्द।

**उऋण** वि. (तत्.) 1. ऋणरहित, ऋणमुक्त प्रयो. आपने मेरे ऊपर जो उपकार किया, उससे मैं उऋण नहीं हो सकता।

**उकठना** अ.क्रि. (तद्.) शुष्क हो जाना, सूखकर लकड़ी की तरह हो जाना।

**उकड़ूँ** पुं. (देश.) घुटने मोड़कर पंजों के बल बैठने की स्थिति।

**उकताना** अ.क्रि. (तद्.) 1. उबना 2. घबड़ाना 3. तंग आना प्रयो. मैं तुम्हारी करतूतों से उकता गया हूँ।

**उकताहट** स्त्री. (तद्.) 1. ऊब, मन न लगना 2. अधीरता 3. जल्दबाजी।

**उकसाना** क्रि.स (तद्.) 1. किसी गलत काम को करने के लिए उद्यत करना और प्रोत्साहन देना, भड़काना 2. ऊपर को उठाना 3. हटा देना 4. दिए की बत्ती बढ़ाना या आगे खिसकाना।

**उकसाहट** स्त्री. (तद्.) 1. अपराध आदि करने के लिए कुप्रेरित करने की क्रिया या भाव 2. उकसाने का भाव 3. उत्तेजना।

**उकार** पुं. (तत्.) 1. 'उ' स्वर।

**उकारांत** वि. (तत्.) वह शब्द जिसके अंत में 'उ' हो जैसे- साधु।

**उकेरना** सं क्रि. (तद्.) लकड़ी, पत्थर, धातु आदि पर खुरचकर नक्काशी करना।

**उक्ति** स्त्री. (तत्.) 1 कथन, वाक्य, वचन 2. कहावत। प्रयो. उक्ति की विचित्रता काव्य में चमत्कार उत्पन्न करती है।

**उखड़ना** अ.क्रि. (तद्.) 1. किसी जमी हुई वस्तु का अलग हो जाना, जोड़ से हट जाना 2. टूटना (जैसे-दम या साँस का)। 3. सुर-ताल को छोड़कर बेताल या बेसुरा हो जाना 3. तितर-बितर हो जाना मुहा. उखड़ी-उखड़ी बातें करना- उदासीता पूर्वक बात करना; उखड़ा-उखड़ा सा

रहना- अन्यमनस्क या उदास रहना, बेचैन रहना।

**उखड़वाना** स.क्रि. (तद्.) उखाड़ना का प्रेरक रूप, उखाड़ने में किसी को प्रवृत्त करना प्रयो. नगर निगम ने सड़क के किनारे लगे सभी खंभे उखड़ा दिए।

**उखली** स्त्री. (तद्.) दे. ओखली।

**उखाड़** पुं. (तद्.) 1. उखाड़ने का कार्य 2. कुश्ती का एक पेंच।

**उखाड़ना** स.क्रि. (तद्.) किसी वस्तु को हटाना, नष्ट करना, विस्थापित करना मुहा. उखाड़-पछाड़- अदल-बदल; गड़े मुर्दे उखाड़ना- पुरानी बातों को फिर से छेड़ना; पैर उखाड़ देना- स्थान से विचलित कर देना, भगाना।

**उगना** अ.क्रि. (तद्.) 1. उपजना 2. सूर्य, चंद्रमा आदि का उदय होना 3. अंकुरित होना, जमना।

**उगलना** अ.क्रि. (तद्.) 1. मुँह या पेट में गई चीज का मुँह से बाहर निकालना। गुप्त बात को प्रकट कर देना प्रयो. 1. उसने सब खाया-पिया उगल दिया 2. मार पड़ी तो चोर ने सब बात उगल दी मुहा. जहर उगलना- बात सुनाना; आग उगलना- क्रोध में बोलना, वैर या दोष फैलाना।

**उगलवाना** स.क्रि. (तत्.) 1. मुँह से निकलवाना 2. दोष स्वीकार कराना।

**उगाना** स.क्रि. (तद्.) 1. सामने लाना 2. निकालना 3. बो कर अंकुरित करना।

**उगालदान** [हि. उगाल+फार.दान] पुं. (देश.) थूकने का बरतन, पीकदान।

**उगाहना** स.क्रि. (तद्.) 1. वसूल करना 2. चंदा इकट्ठा करना।

**उगाही** स्त्री. (तद्.) 1. कर्ज की किस्त या ब्याज की वसूली, सामान्यतः किसी भी प्राप्य धनराशि, वस्तु अथवा बकाया की वसूली 2. सरकार द्वारा या प्राधिकृत संस्था द्वारा उत्पादकों से उनके उत्पादन के एक अंश की